सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 8 ● अंकः 171 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, बुधवार, 27 जुलाई, 2022

मूल्य ₹ 3/-

सहिष्णुता के अभ्यास में आपका शत्रु ही आपका सबसे अच्छा शिक्षक होता है।
–दलाई लामा

उद्धव ठाकरे ने मोदी को शिंदे से... 7 | सपा से टूटा गठबंधन, बसपा ने दिया... 3 | मुद्दों का मुकाबला नहीं कर पाती... 2

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

ईडी को जांच, गिरफ्तारी और संपत्ति जब्त करने का अधिकार

» गिरफ्तारी के कारणों का खुलासा करना काफी
» जांच एजेंसी के सामने दिया गया बयान ही सबूत
» आरोपी को सूचना रिपोर्ट देना जरूरी नहीं, शीर्ष अदालत ने 240 याचिकाओं पर सुनवाई के बाद दिया निर्णय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारों और प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट ने आज बड़ा फैसला सुनाया। कोर्ट ने कहा कि ईडी को जांच, गिरफ्तारी और संपत्ति जब्त करने का अधिकार है। मनी लॉन्ड्रिंग एक स्वतंत्र अपराध है, ऐसे में मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट में कोई खामी नहीं है। कोर्ट ने ईडी और एक्ट को लेकर दायर 240 याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए यह फैसला सुनाया।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि 2018 में मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट में जो बदलाव किए गए थे, वह सही हैं। एजेंसी की ओर से गिरफ्तारी करने और आरोपियों से पूछताछ करने में कुछ भी गलत नहीं है। ईडी ने कोई शिकायत दर्ज की है तो उसकी कॉपी आरोपी को देना जरूरी नहीं है। इसके अलावा सीबीआई या अन्य किसी एजेंसी की ओर से बंद किए गए मामले को भी ईडी अपने हाथ में लेकर जांच कर सकती है। जस्टिस ए.एम खानविल्कर की अगुवाई वाली बेंच ने कहा कि ईडी की ओर से गिरफ्तारी किया जाना मनमानी नहीं है। कोर्ट ने ईडी ओर से संपत्ति जब्त करने को सही करार देते हुए कहा कि गलत ढंग से पैसा कमाने वाले लोग इसका इस्तेमाल न कर सकें इसलिए ऐसा अधिकार ईडी के पास है। जमानत की दो कड़ी शर्तों को भी सुप्रीम कोर्ट ने बरकरार रखा है। मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत आरोपी को दो शर्तों पर ही बेल मिलती है। ये शर्तें हैं कि मामले में दोषी न होने के समर्थन में कुछ सबूत मिलें और यह भरोसा हो कि आरोपी निकलने के बाद कोई दूसरा अपराध नहीं करेगा। ईडी की ओर से दर्ज की जाने वाली एन्फोर्समेंट केस इन्फॉर्मेशन रिपोर्ट को लेकर कोर्ट ने कहा कि यह ईडी का आंतरिक दस्तावेज है और उसे आरोपी को दिया जाना जरूरी नहीं है। प्रवर्तन मामले की सूचना रिपोर्ट (ईसीआईआर) को एफआईआर के साथ नहीं जोड़ा जा सकता है और गिरफ्तारी के दौरान कारणों का खुलासा करना ही काफी है। कोर्ट ने कहा है कि ईडी के सामने दिया गया बयान ही सबूत है। गौरतलब है कि कांग्रेस नेता कार्ति चिदंबरम समेत कई लोगों की ओर से दायर याचिकाओं में ईडी के अधिकारों और एक्ट में बदलाव को चुनौती देते हुए कहा गया था कि इनके जरिए संवैधाानिक अधिकारों का उल्लंघन किया जा रहा है।

कोर्ट ने प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट में बदलाव से किया इंकार

अदालत ने आदेश रखा था सुरक्षित

15 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर फैसला लगभग तैयार है। इसके बाद कोर्ट ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के कुछ प्रावधानों को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर अपना आदेश सुरक्षित रखा था। जिन्होंने ये याचिका सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की है, उनमें कार्ति चिदंबरम और जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती शामिल हैं। याचिकाकर्ताओं ने जांच शुरू करने और समन शुरू करने की प्रक्रिया की अनुपस्थिति सहित कई मुद्दों को उठाया था।

केंद्र सरकार ने किया था संशोधनों का बचाव

केंद्र ने पीएमएलए के प्रावधानों की संवैधानिक वैधता को सही ठहराया था। केंद्र ने पीएमएलए में संशोधनों का बचाव किया था और कहा था कि मनी लॉन्ड्रिंग न केवल वित्तीय प्रणालियों के लिए बल्कि राष्ट्रों की अखंडता और संप्रभुता के लिए खतरा है क्योंकि मनी लॉन्ड्रिंग न केवल विजय माल्या या नीरव मोदी जैसे भ्रष्ट व्यापारियों द्वारा बल्कि आतंकवादी समूहों द्वारा भी की जाती है।

17 साल में सिर्फ 23 ठहराए गए हैं दोषी

केंद्र सरकार ने लोक सभा में एक सवाल के जवाब में बताया कि पीएमएलए कानून 17 साल पहले लागू हुआ था। तब से अब तक इस कानून के तहत 5,422 मामले दर्ज किए गए हैं जबकि सिर्फ 23 लोगों को ही दोषी ठहराया गया है। 31 मार्च तक ईडी ने एक लाख करोड़ से ज्यादा की संपत्ति अटैच की है और 992 मामलों में चार्जशीट दायर की है।

मनी बिल में बदलाव मामले को सात जजों की बेंच को भेजा

प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट में मनी बिल के तहत बदलाव किए जाने के सवाल को अदालत ने 7 जजों की बेंच के सामने भेजने का फैसला लिया है। गौरतलब है कि दायर की गई याचिकाओं में ईडी की ओर से रेड, गिरफ्तारी के अधिकार, संपत्ति को जब्त करने और बेल की कठिन शर्तों पर विचार करने की अपील की गई थी।

सोनिया से पूछताछ, कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन पर भाजपा भड़की

» हिरासत में कई सांसद, जेपी नड्डा बोले, खुद को कानून से ऊपर समझता है गांधी परिवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग केस से जुड़े मामले में आज कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी से ईडी ने फिर पूछताछ की। पूछताछ के विरोध में कांग्रेस सांसदों, नेताओं और कार्यकर्ताओं ने देश भर में प्रदर्शन किया। वहीं भाजपा ने कांग्रेस पर निशाना साधा है।

सोनिया गांधी सुबह 11 बजे ईडी दफ्तर पहुंची। उनके साथ बेटी प्रियंका गांधी भी मौजूद रहीं। जांच एजेंसी के अधिकारियों ने उनसे पूछताछ की। इससे पहले मंगलवार को उनसे दूसरे राउंड की पूछताछ हुई थी। वहीं विरोध प्रदर्शन कर रहे कांग्रेस के कई सांसदों को पुलिस ने हिरासत में लिया है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा, ये परिवार अपने आपको देश और कानून से ऊपर समझता है इसलिए इनसे कोई जवाब मांगे तो इन्हें ये पसंद नहीं है।

संसद में विपक्ष का हंगामा, आप सांसद संजय सिंह निलंबित

» आप सांसद पर नारेबाजी और चेयर की तरफ कागज फेंकने का आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

“प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, दोनों गुजरात से हैं आप लोग कुछ बोलते क्यों नहीं? गुजरात सीएम का इस्तीफा कब होगा? मुझे 10 बार सस्पेंड करो लेकिन 55 लोगों की जान नकली शराब पीने से चली गई उसका जवाब दो। मैं अभी भी सदन में हूं और गुजरात के भाइयों की आवाज उठाता रहूंगा।
संजय सिंह, आप सांसद

नई दिल्ली। आज भी लोक सभा व राज्य सभा में महंगाई, जीएसटी वृद्धि और 23 सांसदों को निलंबित किए जाने को लेकर विपक्ष ने जमकर हंगामा किया। आम आदमी पार्टी के राज्य सभा के सदस्य संजय सिंह को सदन में हंगामा करने पर पूरे सप्ताह के लिए निलंबित कर दिया गया है। राज्य सभा के उपसभापति ने उनके निलंबन की जानकारी दी। हंगामे के चलते लोक सभा की कार्यवाही भी बाधित रही।

आज जैसे ही लोक सभा की कार्यवाही शुरू हुई विपक्षी सांसदों ने हंगामा शुरू कर दिया। लोक सभा के स्पीकर को सदन की कार्यवाही दो बजे तक स्थगित करनी पड़ी। निलंबित किए गए 23 सांसदों के समर्थन में विपक्षी सांसदों ने महात्मा गांधी की प्रतिमा के सामने किया विरोध प्रदर्शन किया। वहीं आम आदमी पार्टी के राज्य सभा सांसद संजय सिंह को सदन में नारे लगाने, कागज फाड़कर चेयर की ओर फेंकने के आरोप में इस सप्ताह के शेष भाग के लिए निलंबित कर दिया गया है।

मुद्दों का मुकाबला नहीं कर पाती, ईडी और सीबीआई को आगे कर रही भाजपा : अखिलेश

» बीजेपी सरकार में ट्रांसफर के लिए भ्रष्टाचार, सरकार के ही लोग उठा रहे सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि पीडब्ल्यूडी में ट्रांसफर-पोस्टिंग के नाम पर बीजेपी सरकार में बड़ा भ्रष्टाचार हुआ है। स्वास्थ्य विभाग में भी इतना बड़ा भ्रष्टाचार कभी नहीं हुआ है। डिप्टी सीएम खुद आरोप लगा रहे हैं। विपक्ष ने तो कुछ कहा ही नहीं है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि नमामि गंगे विभाग के मंत्री ने तो खुद को पिछड़ा वर्ग की वजह से अपमानित होने की बात कही है। सपा जिला कार्यालय पहुंचे पूर्व मुख्यमंत्री एवं सपा मुखिया अखिलेश यादव ने पत्रकारों से कहा कि गंगा साफ नहीं हुई, डीजल, पेट्रोल महंगा हो गया।

प्रदेश सरकार की सहमति पर ही दूध, दही व सूजी पर जीएसटी लग गया है। बीजेपी से ऐसे सवाल न कोई पूछे, इसलिए धर्म और जाति में झगड़ा कराया जा रहा है। यही हाल विपक्ष के साथ किया जा रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा मुद्दों का मुकाबला नहीं कर पाती है, इसलिए ईडी और सीबीआई को आगे कर रही। उन्होंने कहा कि जांच करानी है, तो ट्रांसफर-पोस्टिंग में हुए भ्रष्टाचार की सीबीआई जांच कराए सरकार। प्रदेश को सूखा ग्रस्त घोषित करने के सवाल पर कहा कि भाजपा सरकार के एक मंत्री ने कृत्रिम बारिश कराने की बात कही थी, अब वह कृत्रिम बारिश कराएं। परिषदीय स्कूलों में बच्चों को अब तक किताबें न मिलने पर कहा कि यह सरकार बच्चों को कुछ नहीं देंगी। पिछले साल भी किताबें नहीं मिलीं थीं। सपा प्रमुख अखिलेश ने चुनाव से पूर्व बीजेपी के बिजली बिल माफी के वादे को लेकर कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने किसानों को फ्री बिजली देने का वादा किया था, वह पूरा करें। सदन में यह बात उठाई जाएगी की बिजली माफी के लिए आपने कहा था बिजली माफ करें। बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे को लेकर अखिलेश ने कहा नकल करना आसान है लेकिन उसके लिए थोड़ी बुद्धि चाहिए होती है, मैं केवल 5 किलोमीटर चला दो पुल अधूरे दिखाई दिए। उन्होने कहा कि टोल लेने के लिए किसी को डायरी और किताब लेकर खड़ा कर दिया और बोल दिया टोल ले लेते रहना। अखिलेश ने कहा कि जिस एक्सप्रेसवे का प्रधानमंत्री ने उद्घाटन किया हो, आखिर क्यों जल्दबाजी में उद्घाटन हो गया, बाद में भी हो सकता था। आप देख आइए जगह-जगह गड्ढे हो गए, जान जा रही है लोगों की, गाड़ियां पलट रही हैं। क्या इसकी जांच होगी, क्या बनने वाले पर पर बुलडोजर चलेगा। जनता भाजपा से परेशान हैं, आने वाले चुनाव में सब हिसाब बराबर करेगी।

बाजार में बिक रही नकली दवाओं पर कसें शिकंजा : दयाशंकर

» एक्सपायर होने के बाद दवाएं तत्काल नष्ट की जाएं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आयुष विभाग के कर्मचारियों को अब लेट-लतीफी भारी पड़ेगी। अगर आफिस पहुंचने में उन्हें 10 मिनट से अधिक देरी हुई तो उन्हें अनुपस्थित मानकर वेतन काट दिया जाएगा। यह निर्देश आयुष राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दया शंकर मिश्र दयालु ने दिए। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद, होम्योपैथी व यूनानी विभाग के सभी कार्यालयों में बायोमीट्रिक उपस्थिति दर्ज करने की व्यवस्था की जाए।

राजधानी में आयुर्वेदिक एवं यूनानी औषधि निर्माणशाला के आडिटोरियम में विभागीय समीक्षा बैठक में मंत्री ने दो टूक कहा कि सभी कर्मचारी हर हाल में सुबह 10 बजे कार्यालय पहुंचे और अगर कोई सुबह 10 बजकर 10 मिनट के बाद कार्यालय आता है तो उसे अनुपस्थित मानकर उस दिन का वेतन काट दिया जाए। अधिकारी बायोमीट्रिक उपस्थिति की मानीटरिंग करें।

शिवपाल बोले, पार्टी से निकाल क्यूं नहीं देते अखिलेश

» प्रसपा प्रमुख ने भतीजे अखिलेश यादव को सुनाई खरी-खरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की तरफ से बीते शनिवार को चाचा शिवपाल सिंह यादव कहीं भी जाने के लिए स्वतंत्र करने की घोषणा के बाद से बयानबाजी का दौर जारी है। सपा की ओर से लिखे पत्र को लेकर शिवपाल ने एक बार फिर भतीजे पर सीधा हमला किया है। प्रगतिशील समाजवादी पार्टी लोहिया के अध्यक्ष और समाजवादी पार्टी के विधायक शिवपाल सिंह यादव ने सपा के पत्र के जवाब में कहा कि ऐसे बयान अपरिपक्वता का प्रमाण देते हैं।

शिवपाल ने कहा कि हम तो पहले से ही स्वतंत्र हैं। हमें मीडिया से पता चला कि फिर से आजादी दी गई है। अच्छा होता कि अखिलेश मुझे समाजवादी पार्टी और विधानमंडल दल से निकाल देते। प्रगतिशील समाजवादी पार्टी लोहिया के अध्यक्ष व समाजवादी पार्टी के विधायक शिवपाल सिंह यादव लगातार अखिलेश पर हमलावर हैं। इसके बावजूद समाजवादी पार्टी उन पर कोई कार्रवाई नहीं कर रही है। पिछले दिनों समाजवादी पार्टी ने शिवपाल सिंह यादव को जहां सम्मान अधिक मिले वहां जाने के लिए स्वतंत्र होने का पत्र भी लिख दिया था। प्रसपा अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव को स्वतंत्र करने का पत्र तो लिखा गया लेकिन उन्हें पार्टी से निकाला नहीं जा रहा है। दरअसल, यदि सपा उन्हें निकाल देती है तो शिवपाल पूरी तरह स्वतंत्र हो जाएंगे। उन पर दल-बदल कानून भी लागू नहीं होगा। वर्तमान में जो परिस्थितियां हैं उसमें शिवपाल यदि किसी दूसरी पार्टी में जाते हैं तो उन पर दल-बदल कानून लागू हो जाएगा। यही कारण हैं कि शिवपाल सिंह यादव सपा पर लगातार हमलावर हैं और पार्टी एक्शन नहीं ले रही है। शिवपाल सिंह ने कहा कि सपा से स्वतंत्र होने का पत्र लिखने का क्या मतलब है क्योंकि संविधान के अनुसार हम सभी स्वतंत्र हैं। जब मैंने सपा से चुनाव लड़ा था तो पहले अपनी पार्टी से इस्तीफा दिया था, इसके बाद मैंने सपा की सदस्यता ली थी। शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि चुनाव जीतने के बाद किसी भी बैठक में मुझे नहीं बुलाया गया। इसके बाद अब स्वतंत्र होने की बात कहना समझ से परे है। सपा अब वह पार्टी नहीं है जिसे मुलायम सिंह यादव ने डा. लोहिया के सपने को साकार करने के लिए सींचा था। शिवपाल ने कहा कि यह पार्टी लगातार सियासी तौर पर गर्त में जा रही है।

विधायक आजम खां और उनके बेटे अब्दुल्ला की मुश्किलें बढ़ी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। रामपुर शहर विधायक आजम खां और उनके विधायक बेटे अब्दुल्ला आजम की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। पड़ोसी पर हमला करने के मामले में कोर्ट ने माना है कि दोनों सपा नेता ने पड़ोसी पर हमला किया था। अदालत ने पड़ोसी पर हमला करने के मामले में आरोप तय किए हैं। इस मामले में आजम खां के अलावा उनके बेटे विधायक अब्दुल्ला आजम भी आरोपित हैं। अदालत में आरोप तय करने के दौरान अब्दुल्ला कोर्ट में मौजूद रहे।

आजम खां के खिलाफ वर्ष 2019 में ताबड़तोड़ मुकदमे दर्ज किए गए थे। इनमें ज्यादातर में आरोप पत्र अदालत में दाखिल हो चुके हैं और इन पर सुनवाई चल रही है। मुकदमों में आरोप तय किए जाने लगे हैं। सोमवार को अदालत ने 10 मुकदमों में आरोप तय किए थे। मंगलवार को भी एक और मुकदमे में आरोप तय हुए। यह मुकदमा वर्ष 2019 में गंज

कोतवाली में आजम खां के पड़ोसी मोहम्मद अहमद की ओर से दर्ज हुआ था। मुकदमे में कहा था कि कार खड़ी करने को लेकर आजम खां के समर्थकों ने उन पर हमला किया था। पुलिस ने इस मुकदमे में आजम खां के अलावा उनके बेटे विधायक अब्दुल्ला और समर्थक बिलाल के खिलाफ पुलिस ने चार्जशीट कोर्ट में दाखिल की थी। इसकी सुनवाई एमपी-एमएलए कोर्ट में चल रही है। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता कमल कुमार गुप्ता ने बताया कि इस मामले में अदालत ने बुधवार को आरोप तय कर दिए हैं।

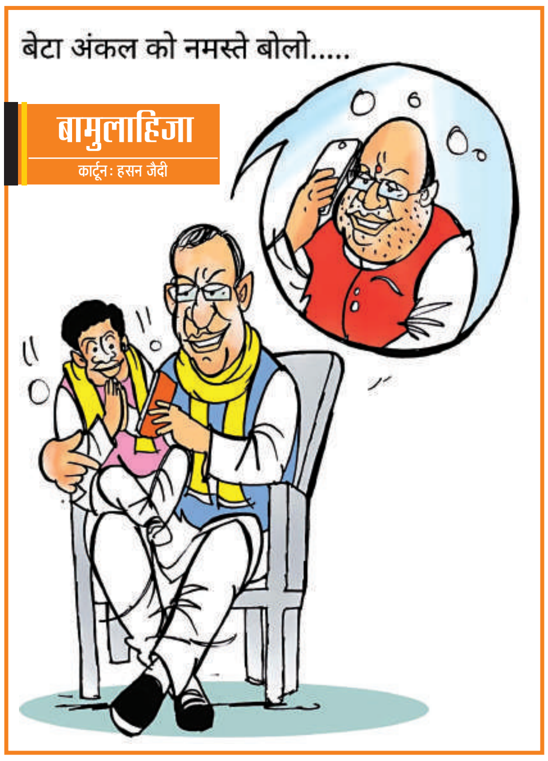

मनमाना शुल्क नहीं वसूल सकेंगे जनसेवा केंद्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पेराई सत्रों में गन्ना किसानों का ऑनलाइन घोषणा-पत्र भरवाने व समिति की सदस्यता लेने के लिए साइबर कैफे संचालक व जनसेवा केंद्र अब मनमाना शुल्क नहीं वसूल सकेंगे। गन्ना विभाग ने किसानों के लिए प्रदेश भर में 451 कृषक सहायता केंद्र प्रदेश भर में शुरू कराए हैं। आयुक्त संजय आर भूसरेड्डी ने बताया कि विभिन्न परिक्षेत्रों के गन्ना किसानों से पता चला कि उनसे मनमाना शुल्क वसूला गया।

इस समस्या के निराकरण के लिए एसजीके (स्मार्ट गन्ना किसान) प्रोजेक्ट पर आनलाइन घोषणा-पत्र भरने व नई सदस्यता के लिए आवेदन करने आदि में प्रशिक्षित किए जाने के लिए चीनी मिलवार उप गन्ना आयुक्त के निर्देशन में गन्ना किसानों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। किसानों व उनके परिवार के किसी सदस्य को उनके मोबाइल

फोन पर घोषणा-पत्र भरने व नई सदस्यता के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम 30 जुलाई तक चलाया जाएगा। गन्ना आयुक्त ने किसानों से अपील की है कि इस प्रशिक्षण में प्रतिभाग कर स्मार्ट गन्ना किसान बनें। भूसरेड्डी ने बताया कि प्रदेश स्तर से विभाग व चीनी मिलों के गन्ना कार्यालयों उप गन्ना आयुक्त, जिला गन्ना अधिकारी, ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक, सचिव व चीनी मिल के गन्ना प्रबंधन कार्यालयों पर 451 कृषक सहायता केंद्रों की स्थापना की गई है।

स्कूली बच्चों को सरकार का तोहफा : ड्रेस के लिए मिलेंगे 1200 रुपए, स्टेशनरी भी मुफ्त

» बच्चों के पेरेंट्स के अकाउंट में ऑनलाइन ट्रांसफर होंगे रुपए

» एक करोड़ 90 लाख बच्चों को मिलेगा सीधा लाभ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी की योगी सरकार ने स्कूली बच्चों के लिए बड़ा फैसला लिया है। दो जोड़ी ड्रेस, स्कूल बैग, जूते-मोजे और स्वेटर के लिए अब 1100 रुपए की जगह 1200 रुपए मिलेंगे। यह रुपए बच्चों के पेरेंट्स के अकाउंट में ऑनलाइन ट्रांसफर होंगे। लोकभवन में हुई कैबिनेट बैठक में इस प्रस्ताव पर योगी आदित्यनाथ ने मुहर लगा दी है। शिक्षा विभाग के अधिकारियों के अनुसार सरकारी स्कूल में पढ़ने वाले छात्रों को दो जोड़ी यूनिफार्म के लिए 600 रुपए, स्कूल बैग के लिए 170 रुपए, जूते-मोजे के लिए 125 रुपए और स्वेटर के लिए 200 रुपए दिए जाते हैं।

इस तरह से कुल 1100 रुपए सीधे लाभार्थी के खाते में ट्रांसफर किए जाते हैं। इसके लिए 600 रुपए केंद्र सरकार और 500 रुपए राज्य सरकार अपने बजट से देती है। योगी सरकार ने इसे बढ़ा कर 1200 कर दिया है। इससे एक करोड़ 90 लाख बच्चों को लाभ होगा। इसके लिए 2,225 करोड़ रुपए दिए जाएंगे। कैबिनेट बैठक में ग्रामीण क्षेत्र में स्थापित ग्राम सचिवालय के सुदृढ़ीकरण हेतु हाईटेक व ग्राम पंचायत सहायक की नियुक्ति संबंध में प्रस्ताव पास किया गया। अपर पंचायती राज अधिकारी पद के सृजन के लिए भी प्रस्ताव को मंजूरी मिली। वहीं, आजादी के अमृत महोत्सव के सम्बंध में 4.5 करोड़ तिरंगा फहराने के लिए 2 करोड़ झंडा एमएसएमई द्वारा क्रय के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई।

ललितपुर में बनेगी नई जेल

कैबिनेट की बैठक में ललितपुर में नई जेल बनाने के प्रस्ताव को भी मंजूरी प्रदान की गई। पहले ललितपुर जेल छोटी थी। अब बड़ी जेल बनाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। अभी तक ललितपुर जेल की क्षमता 180 थी जिसे बढ़ाने का फैसला किया गया है।

दो करोड़ झंडे खरीदे जाएंगे

आजादी के अमृत महोत्सव के लिए साढ़े चार करोड़ तिरंगा फहराए जाने हैं। 2 करोड़ झंडा एमएसएमई द्वारा खरीदने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है। प्रति राष्ट्रध्वज के लिए 20 रुपए माना गया है। इसके लिए 30 करोड़ की लागत का प्रस्ताव पास किया गया है। नगर विकास विभाग द्वारा हर घर तिरंगा कार्यक्रम के लिए 10 करोड़ राशि से एमएसएमई विभाग को भेजा जाएगा।

चार राज्यों के बीच रोड टैक्स करार

परिवहन विभाग की तरफ से एनसीआर के लोगों के राहत देने के प्रस्ताव पर मुहर लगी है। दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद में स्कूल बस, कैब के लिए एक रोड टैक्स होगा निर्धारित। सिर्फ एक जगह टैक्स देना होगा। इसमें एनसीआर के लोगों को खासी राहत मिलेगी। परिवहन विभाग ने चार राज्यों दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और यूपी के बीच रोड टैक्स को लेकर करार किया है। परिवहन राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार दयाशंकर सिंह ने कहा कि अभी तक एनसीआर में रोजाना आवाजाही के लिए कैब और टैक्सी वालों को एक्सट्रा टैक्स देना पड़ता था। अब यूपी के लोगों के लोगों को टैक्स नहीं देना होगा। बस एक जगह टैक्स देना होगा। इससे प्रदेश सरकार के राजस्व में 12 करोड़ रुपए की कमी आएगी। इस नुकसान की भरपाई विभाग अन्य स्रोतों से करेगा।

सपा से टूटा गठबंधन, बसपा ने दिया झटका अब राजभर को भाजपा का सहारा!

» भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व से बढ़ रही सुभासपा प्रमुख की नजदीकियां

» प्रदेश सरकार ने राजभर को दी है वाई श्रेणी की सुरक्षा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव परिणाम के बाद सुभासपा प्रमुख ओपी राजभर के आक्रामक तेवर और विपक्ष के राष्ट्रपति प्रत्याशी यशवंत सिन्हा की जगह एनडीए उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू को समर्थन देने के ऐलान के बाद से सपा और सुभासपा में दूरियां अपने चरम पर पहुंच चुकी थी। पिछले दिनों आखिरकार सपा ने राजभर की चाहत को पूरा करते हुए अपनी तरफ से उनको आजादी दे दी और इसका लेटर भी जारी कर दिया है। इसके बाद राजभर ने बसपा के साथ जाने का ऐलान किया था लेकिन बसपा ने उनके लिए नो एंट्री का बोर्ड लगा दिया। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या अब राजभर एक बार फिर भाजपा के पाले में बैठेंगे?

सपा से गठबंधन टूटने के बाद राजभर ने अगली रणनीति का खुलासा किया था। उन्होंने कहा था कि अब वह मायावती की बहुजन समाज पार्टी के साथ गठबंधन करेंगे। इस एकतरफा ऐलान की हवा बसपा ने निकाल दी है। बसपा की तरफ से राजभर को स्वार्थी और अवसरवादी बताते हुए लगभग नोएंट्री का बोर्ड लगा दिया गया है। बसपा से गठजोड़ की इच्छा जताने वाली सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी को मायावती के भतीजे आकाश आनंद ने तगड़ा झटका दिया। आकाश आनंद ने सोमवार को एक ट्वीट में राजभर का नाम लिए बगैर उन पर हमला करते हुए कहा था कि कुछ लोग बसपा मुखिया मायावती के नाम पर अपनी दुकान चलाना चाहते हैं और ऐसे स्वार्थी लोगों से सावधान रहना चाहिए।

जल्द करेंगे रणनीति का खुलासा

सुभासपा की भविष्य की रणनीति के बारे में पूछे जाने पर अरुण राजभर ने कहा कि कुछ समय दीजिए। इस विषय में हम अभी कुछ नहीं कह सकते। हम अभी पार्टी के बस्ती मंडल के पदाधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। दो-तीन दिन बाद हम अपनी रणनीति का खुलासा करेंगे। अगर हम अभी अपनी रणनीति बता देंगे तो यह नाकाम हो जाएगी। यह पूछे जाने पर कि क्या सुभासपा एक बार फिर भाजपा से हाथ मिलाएगी, राजभर ने कहा कि इस समय इस बारे में कुछ भी कहना सही नहीं होगा।

सपा से इसलिए टूटा गठबंधन

सुभासपा ने इस साल के शुरू में हुआ विधान सभा चुनाव सपा के साथ मिलकर लड़ा था और उसे छह सीट हासिल हुई थीं, मगर सत्ता में नहीं आने और पिछले महीने हुए आजमगढ़ और रामपुर लोक सभा के उपचुनाव में सपा की पराजय के बाद ओमप्रकाश राजभर ने सीधे अखिलेश यादव पर हमले शुरू कर दिये थे। सपा मुखिया अखिलेश यादव को लोगों के बीच जाने की सलाह देते हुए कहा था कि उन्हें वातानुकूलित कमरे में बैठकर राजनीति नहीं करनी चाहिए। अखिलेश ने यह कहते हुए इसका टका सा जवाब दिया था कि सपा को किसी की सलाह की जरूरत नहीं है। सपा नेतृत्व ने पिछले दिनों राजभर को एक पत्र जारी कर कहा था कि उन्हें जहां ज्यादा सम्मान मिलता दिखे, वह वहां जाने के लिए स्वतंत्र हैं।

बदले सुर

अरुण राजभर ने आनंद के बयान के बारे में पूछे जाने पर कहा कि उनका जो कहना है, वह उनकी अपनी राय है। हमने सिर्फ अपनी प्राथमिकताओं के बारे में बात की है। हम न तो बसपा के पास गए हैं और न ही उसके नेतृत्व से कोई बात की है। सियासत में सब कुछ अनिश्चित है और राजनीतिक समीकरण बदलते रहते हैं तथा उन्हीं के मुताबिक फैसला लिया जाता है।

गौरतलब है कि ओपी राजभर की सुभासपा भले ही दो दशक से यूपी की राजनीति में है लेकिन उसे पहली सफलता 2017 के विधान सभा चुनाव के दौरान मिली। सुभासपा ने भाजपा के साथ गठबंधन कर चार सीटें जीतीं। राजभर को योगी सरकार में कैबिनेट मंत्री भी बनाया गया। इस दौरान अपने बड़बोलेपन और बयानबाजी के कारण सीधे सीएम योगी के निशाने पर राजभर आ गए। स्थिति यह हो गई कि राजभर को सीएम योगी ने कैबिनेट से ही बर्खास्त कर दिया था। इसके बाद राजभर लगातार सीएम योगी के खिलाफ हमलावर रहे। 2022 के विधान सभा चुनाव के दौरान भी राजभर के निशाने पर सीएम योगी ही रहे लेकिन अब हालात फिर बदल रहे हैं। दिल्ली में भाजपा नेता धर्मेंद्र प्रधान से मुलाकात के बाद राजभर की नजदीकियां फिर से भाजपा के केंद्रीय और प्रदेश नेताओं से बढ़ने लगीं। राष्ट्रपति चुनाव से ठीक पहले राजभर ने गृहमंत्री अमित शाह से भी मुलाकात की थी। वहीं प्रदेश सरकार ने राजभर को वाई श्रेणी की सुरक्षा मुहैया करायी है। कहा जा रहा है कि सपा से गठबंधन टूटने से सुभासपा के नेता व कार्यकर्ता खुश हैं। उन्हें लग रहा है कि जल्द प्रदेश की सत्ता भागीदारी करेंगे। उनकी नजरें एमएलसी की दो सीटों में से एक पर है। भाजपा केंद्रीय नेतृत्व राजभर को साथ लाने के लिए एक सीट दे भी सकता है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

नमामि गंगे योजना के दावों की हकीकत

भले ही सरकार कई शहरों में गंगा नदी को प्रदूषण मुक्त करने का दावा कर रही हो लेकिन हकीकत इसके उलट है। नमामि गंगे योजना आठ साल बाद भी अपने लक्ष्य से कोसों दूर है। राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण के मुताबिक अभी भी करीब पचास प्रतिशत नालों का गंदा पानी गंगा नदी में बहाया जा रहा है। लिहाजा नदी का प्रदूषण कम नहीं हो रहा है। वहीं नदी में गंदगी बहाने वालों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं होने के कारण हालात बिगड़ रहे हैं। इस मामले पर प्राधिकरण ने राष्ट्रीय गंगा परिषद से जवाब भी मांगा है। सवाल यह है कि हर साल करोड़ों रुपये खर्च करने के बाद भी गंगा का प्रदूषण कम क्यों नहीं हो रहा है? नालों का गंदा पानी साफ करने के लिए पर्याप्त संख्या में एसटीपी प्लांट क्यों नहीं लगाए जा रहे हैं? नदी में रासायनिक व औद्योगिक कचरा बहाने वाले संयंत्रों के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही है? आखिर राष्ट्रीय गंगा परिषद क्या कर रही है? क्या ऐसे ही निर्मल गंगा के लक्ष्य को पाया जा सकता है? क्या लापरवाही ने इस पूरी योजना को ही अप्रासांगिक बना दिया है?

गंगा को देश की पवित्र नदी माना जाता है। यह गंगोत्री से गंगासागर तक प्रवाहित होती है। देश के राष्ट्रीय जीवन में इसका विशिष्ट स्थान है। कई प्राचीन सभ्यताएं गंगा नदी घाटी में फली-फूली लेकिन आज यह पूरी तरह प्रदूषित हो चुकी। कई स्थानों पर इसका जल आचमन लायक नहीं बचा है। शहरों से निकलने वाली सारी गंदगी नदी में बहाई जा रही है। इसके अलावा औद्योगिक कचरा भी गंगा में प्रवाहित किया जा रहा। गंगा को निर्मल बनाने के लिए केंद्र सरकार ने 2014 में नमामि गंगे योजना की शुरुआत की। तब से आज तक करोड़ों रुपये इसकी सफाई पर खर्च किया जा चुके हैं लेकिन अभी तक यह अपने मुख्य उद्देश्य को प्राप्त नहीं कर सकी है। राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण ने नमामि गंगे योजना पर सवाल खड़े किए हैं। प्राधिकरण का कहना है कि राष्ट्रीय गंगा परिषद उन लोगों, संस्थाओं या उद्योगों के विरुद्ध कार्रवाई नहीं कर रहा है, जो गंगा में प्रदूषित पानी बहा रहे हैं। सीवेज और रासायनिक प्रदूषकों के साथ बड़ी मात्रा में प्लॉस्टिक नदी में बहाया जाता है, जिससे नदी के जीव-जंतु प्रभावित हो रहे हैं। प्राधिकरण की यह रिपोर्ट बेहद चिंताजनक है। जाहिर है यदि केंद्र और राज्य सरकारें गंगा को प्रदूषण मुक्त करना चाहती हैं तो नदी में औद्योगिक अपशिष्टों के साथ नालों के गंदे पानी के शोधन के लिए शहरों में प्लांट लगवाने होंगे और निगरानी व्यवस्था को भी मजबूत करना होगा। इसके अलावा इसकी सहायक नदियों को भी स्वच्छ और निर्मल बनाने के लिए ठोस योजना बनानी होगी अन्यथा हालात और भी बिगड़ जाएंगे।

“ भले ही सरकार कई शहरों में गंगा नदी को प्रदूषण मुक्त करने का दावा कर रही हो लेकिन हकीकत इसके उलट है। नमामि गंगे योजना आठ साल बाद भी अपने लक्ष्य से कोसों दूर है। राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण के मुताबिक अभी भी करीब पचास प्रतिशत नालों का गंदा पानी गंगा नदी में बहाया जा रहा है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

भारत से प्रतिभा पलायन

ललित गर्ग

भारत के लिये यह दुर्भाग्यपूर्ण एवं चिन्ता का विषय है कि भारत के लोग भारत की नागरिकता छोड़ रहे हैं। पिछले तीन साल से औसतन 358 लोग प्रतिदिन और प्रतिवर्ष लगभग 1 लाख 63 हजार लोग भारत की नागरिकता त्यागकर विदेशों में बस गये हैं। नागरिकों का भारत से पलायन एक गंभीर समस्या है, इसके कारणों का पता लगाकर उस पर नियंत्रण किया जाना नितान्त अपेक्षित है।

भारत दुनिया में तेजी से आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर होता राष्ट्र है। देश में विकास की फिजां बन रही है। रोजगार एवं व्यापार की अनेक संभावनाएं उजागर हो रही हैं। फिर भी इतनी बड़ी संख्या में भारतीय पलायन कर रहे हैं। यदि इसी गति से प्रतिभाओं एवं नागरिकों का पलायन होता रहेगा, तो राष्ट्र विरोधी तत्व अधिक मजबूत होंगे। संभवत: देश की शिक्षा नीति में ही कोई कमी है। पिछले अनेक वर्षों से हमारा देश पैसा बनाने की मशीनें तैयार करता रहा है। जिम्मेदार और जागरूक नागरिक अब भी कम दिखाई पड़ते हैं। रोजगार की दृष्टि से ही नहीं, शिक्षा की दृष्टि से भी विदेशों का आकर्षण बढ़ रहा है। 'ओपन डोर' संस्था की ताजा रिपोर्ट के अनुसार 2015-16 में अमेरिकी कॉलेजों में दाखिला लेने वाले भारतीय छात्रों में पच्चीस फीसद वृद्धि हुई है। अमेरिकी अर्थव्यवस्था में उन्होंने पांच अरब रुपए का योगदान दिया है। सिर्फ अमेरिका ही नहीं बल्कि पिछले कुछ साल में यूरोप और ऑस्ट्रेलिया जाने वाले छात्रों में भी वृद्धि हुई है जबकि इसी दौर में भारत में बड़ी संख्या में उच्च शिक्षण संस्थान और विश्वविद्यालय खुले हैं। एक ओर भारत में उच्च शिक्षा के स्तर को लेकर सवाल उठते रहे हैं तो दूसरी ओर पढ़ने के लिए छात्र बड़ी संख्या में विदेशों का रुख कर रहे हैं जिसका दुष्प्रभाव अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। यह स्थिति भारत के विकास की एक बड़ी बाधा है। बिना प्रतिभाओं के कैसा विकास? भारत में विभिन्न क्षेत्रों के प्रवीण, प्रतिभासंपन्न एवं विलक्षण क्षमता वाले व्यक्तियों की बड़ी तादाद हैं, जिनमें वैज्ञानिक, प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ, साहित्य या कलाओं के विद्वान, चित्रकार, कलाकार, प्रशासनिक अधिकार, डॉक्टर, सी.ए. आदि हैं। असाधारण प्रतिभा संपन्न ऐसे लोगों का अपने देश की प्रगति और समृद्धि में योगदान होना चाहिए, जबकि वे विदेशों में रहकर अपनी प्रतिभा का उन देशों को लाभ पहुंचा रहे हैं। क्या ऐसे लोगों का देश के प्रति कोई दायित्व नहीं है? कोई व्यक्ति विदेश तब जाता है जब उसके सामने

कोई मजबूरी होती है जिसके कारण बाहर जाने में वह अपना भला समझता है। इन कारणों में देश में प्रशासनिक स्तर पर व्याप्त भ्रष्टाचार, जटिल कानून एवं प्रशासनिक व्यवस्थाएं, योग्यता को महत्व न देना आदि प्रमुख हैं।

जब समृद्ध और विकसित देशों के प्रतिभाशाली युवा अपने देश की नीतियों के कारण भारत में नहीं बसते तो फिर भारतीय युवाओं को क्यों नहीं देश में रहकर अपनी योग्यता के अनुसार अवसर देने की व्यवस्था की जा सकती, इस पर भारत सरकार को चिन्तन करना चाहिए। अपनी प्रतिभाएं अपने ही देश के काम आनी चाहिए। भारत में व्यापार करने की स्थितियां भी सहज एवं सरल होने के जगह जटिल होती जा रही हैं। छोटे व्यापारियों के लिये व्यापार करने की जहां अनेक चुनौतियां हैं, वहीं उनके लिये प्रशासनिक जटिलताएं भी कम नहीं हैं। भ्रष्ट अधिकारियों के कारण व्यापार करना अनेक संकटों से घिरा है। ऐसा सरकार की गलत नीतियों की वजह से हो रहा है।

गृह मंत्रालय के अनुसार 1.25 करोड़ भारतीय नागरिक विदेश में रह रहे हैं, जिनमें 37 लाख लोग ओसीआई यानी ओवरसीज सिटीजनशिप ऑफ इंडिया कार्डधारक हैं। हालांकि इन्हें भी वोट देने, देश में चुनाव लड़ने, कृषि संपत्ति खरीदने या सरकारी कार्यालयों में काम करने का अधिकार नहीं होता है। पढ़ाई, बेहतर कॅरियर, आर्थिक संपन्नता और भविष्य को देखते हुए भारत से बड़ी संख्या में लोग विदेश का रुख करते हैं। पढ़ाई के लिए विदेश जाने वाले लोगों में से करीब 80 प्रतिशत लोग वापस भारत नहीं लौटते हैं। ऐसे में मानव संसाधन विकास मंत्रालय और एसोचैम जैसे संस्थानों को इस बात पर ध्यान देने कि जरूरत है कि इसे कैसे रोका जाए। प्रतिभा पलायन अब निश्चित रूप से घाटे का सौदा बनता जा रहा है। प्रतिभा पलायन रोकने के लिए आईआईटी और आईआईएम जैसे और संस्थान स्थापित किए जाने की जरूरत है। विदेशी विश्वविद्यालयों को भारत में अपने कैंपस खोलने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। नागरिक के पलायन को रोकने के लिये रोजगार के नये अवसर, भ्रष्टाचारमुक्त शासन व्यवस्था, सरल एवं सहज प्रशासनिक कार्यप्रणाली, व्यापार के लिये प्रोत्साहन योजना, उन पर तरह-तरह के कानून एवं नियमों को सरल करना आदि उपचार अपेक्षित है।

बैंकों की खूबियां और खामियां

अजीत रानाडे

वर्ष 1969 की दो घटनाओं एक राष्ट्रीय व दूसरी अंतरराष्ट्रीय की वर्षगांठ जुलाई के तीसरे सप्ताह में आती है। उस वर्ष चांद पर पहली बार मनुष्य के पहुंचने के 12 घंटे पहले भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री ने 14 निजी बैंकों के सरकारी अधिग्रहण तथा देश की 85 प्रतिशत जमा राशि के राष्ट्रीयकरण की घोषणा की थी। दोनों घटनाओं के दूरगामी प्रभाव हुए। एक ने अंतरिक्ष अनुसंधान कार्यक्रम को गति दी तो दूसरे ने बैंकिंग व वित्तीय तंत्र को आगे बढ़ाया।

हम कभी बाद में अपोलो-11 अभियान के बारे में चर्चा करेंगे। अभी हम बैंकों के राष्ट्रीयकरण के दीर्घकालिक प्रभावों पर बात करें। वर्ष 1969 से अर्थव्यवस्था 50 गुनी बड़ी हो चुकी है तब उन 14 बैंकों की कुल जमा पूंजी 100 करोड़ रुपये भी नहीं थी जबकि आज सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के पास 100 लाख करोड़ रुपये से अधिक जमा हैं। आज 53 साल बाद भी सार्वजनिक बैंकों के जमा का अनुपात 70 प्रतिशत है, जो राष्ट्रीयकरण के दिन से मात्र 15 प्रतिशत कम है। तत्कालीन प्रधानमंत्री ने आनन-फानन में यह फैसला लिया था, लेकिन इस निर्णय को छह माह बाद ही सर्वोच्च न्यायालय ने पलट दिया और अदालती बाधा से पार पाने के लिए एक संशोधित अध्यादेश लाना पड़ा था। बैंकों के राष्ट्रीयकरण से प्रधानमंत्री को व्यापक लोकप्रियता के साथ राजनीतिक लाभ भी मिला, क्योंकि उससे पहले के 20 वर्षों में निजी बैंकों की असफलता के सैकड़ों मामले सामने आ चुके थे. लोगों को ऐसा लगा कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में उनका पैसा सुरक्षित है। ऐसी सोच आज भी बरकरार है। वर्तमान सरकार ने भी निजी बैंकों की तुलना में सरकारी बैंकों पर बहुत अधिक निर्भरता दिखायी है। उदाहरण के लिए प्रधानमंत्री की जन-धन योजना के 45 करोड़ खातों में से 90 प्रतिशत से अधिक खाते सार्वजनिक बैंकों ने ही खोले हैं।

यह दुनिया का सबसे बड़ा वित्तीय समावेशन अभियान है और इससे सरकारी अनुदानों को सीधे लाभार्थियों के खाते में भेजने में बड़ी सुविधा हुई है। कोविड महामारी के दौरान भी ये खाते बड़े मूल्यवान साबित हुए थे। इन खातों के साथ बीमा और ओवरड्राफ्ट की सुविधा भी है। छोटे उद्यमियों को मिलने वाला मुद्रा ऋण भी मुख्य रूप से सार्वजनिक बैंकों द्वारा ही दिया जाता है। सरकारी परियोजनाओं बंदरगाह, सड़कें, रेलवे, अन्य इंफ्रास्ट्रक्चर योजनाएं आदि के लिए भी अधिकांश कर्ज ये बैंक ही मुहैया कराते हैं। हाल में उत्तर प्रदेश में बने बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे की अनुमानित लागत 15 हजार करोड़ रुपये है, जिसे सार्वजनिक बैंकों के एक समूह ने प्रदान किया है। जब बैंकों पर संकट आता है तो ये बैंक ही काम आते हैं। हाल ही में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने एक तरह से यस बैंक का अधिग्रहण कर लिया है, भले ही तकनीकी रूप से यह नहीं हुआ है। कुख्यात ग्लोबल ट्रस्ट बैंक को 2004 में ओरियेंटल बैंक ऑफ कॉमर्स ने उबारा था। सार्वजनिक बैंकों के केवल व्यावसायिक कामकाज को देखा जाए तो मिली-जुली तस्वीर उभरती है। फंसे हुए कर्ज, जिन्हें गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां (एनपीए) भी कहा जाता है, के मामले में निजी बैंकों की तुलना में सार्वजनिक बैंकों की स्थिति बेहद खराब है। ट्रांसयूनियन सिबिल की एक हालिया रिपोर्ट में बताया गया है कि जान-बूझ कर कर्ज नहीं चुकाने वाले लोगों, जिनके खिलाफ बैंकों ने कार्रवाई शुरू की है, की संख्या बीते 10 साल में 10 गुनी बढ़ गयी है। मार्च, 2021 तक ऐसे लोगों पर 2.4 लाख करोड़ रुपये बकाया थे, जिसमें 95 फीसदी सार्वजनिक बैंकों के हैं। यह सार्वजनिक कोष की लूट है। इसकी वसूली की संभावना न के बराबर है और वैसे भी कानूनी प्रक्रिया बहुत लंबी चलती है। सवाल यह है कि ऐसा देने वाले की लापरवाही से हुआ है, कर्जों पर निगरानी की कमी रही या कर्ज किसी राजनीतिक दबाव में दिया गया। लापरवाही का तर्क लचर है क्योंकि 30 फीसदी ऐसे कर्ज स्टेट बैंक और उससे जुड़े बैंकों ने दिये हैं, जो उच्च कोटि की प्रक्रिया के लिए जाने जाते हैं। आखिर निजी बैंकों पर ऐसे कर्जों का बोझ बहुत कम क्यों है? क्या वे बेहतर निगरानी करते हैं या ऐसे कर्ज नहीं बांटते, जो व्यावसायिक रूप से आकर्षक नहीं होते? क्या उन पर राजनीतिक दबाव नहीं होता? भारत में बैंकिंग की सभी समस्याओं के हल के रूप में बैंकों के निजीकरण को देखना गलत है। बड़ी बैंक असफलताएं निजी बैंकों की ही रही हैं। अमेरिका और पश्चिमी देशों से शुरू हुआ वित्तीय संकट 2008 में वैश्विक संकट बन गया था। उस संकट के लिए सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है। उसी साल इंफोसिस ने घोषणा की थी कि वह अपने नगद जमा को निजी व विदेशों बैंकों से निकालकर स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में रखने जा रही है तथा उसके निवेशकों को घबड़ाना नहीं चाहिए। यह सार्वजनिक बैंकों में जमाकर्ताओं के भरोसे को इंगित करता है लेकिन इस भरोसे का एक दूसरा पहलू भी है। यह इसलिए है कि इन बैंकों को भारत सरकार डूबने नहीं देगी। सीधे तौर पर सभी सार्वजनिक बैंकों का निजीकरण गलत है। बैंकों से संबंधित समस्याओं के समुचित समाधान के लिए एक बीच का रास्ता निर्धारित किया जा सकता है। इसमें सार्वजनिक बैंकों में सरकार की हिस्सेदारी को कम किया जा सकता है तथा कामकाज में उन्हें अधिक स्वायत्तता दी जा सकती है। लोगों को भरोसे को बहाल रखते हुए जमा राशि का उचित मूल्य पर बीमा किया जाना चाहिए तथा बैंकों के व्यावसायिक प्रदर्शन को बेहतर किया जाना चाहिए।

मानसून में इन चीजों से करें सख्त परहेज

मानसून के नमी वाले मौसम में बैक्टीरिया ज्यादा पनपते हैं, जिससे बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में खानपान का खास ध्यान रखने की जरूरत होती है। गलत खानपान इम्युनिटी को कमजोर कर देता है, जिससे आप जल्दी सर्दी-खांसी और इन्फेक्शन का शिकार हो जाते हैं इसलिए मानसून के दौरान जो भी खाएं उसमें विटामिंस, प्रोटीन, बीटा कैरोटीन, मैग्नीशियम, जिंक, आयरन, प्रोबायोटिक, सेलेनियम, फॉलिक एसिड जैसे सभी न्यूट्रिशन मौजूद होने चाहिए। तो आइए जानते हैं किन चीजों से इस मौसम में परहेज करना है जरूरी।

न खाएं पत्तेदार सब्जियां

हरी सब्जियां हमारी सेहत के लिए फायदेमंद होती है मगर विशेषज्ञों का मानना है कि बारिश के दौरान इनसे परहेज करना चाहिए क्योंकि बारिश में मॉयस्चर और ह्यूमिडिटी से हरी सब्जियों की पत्तियों पर रोगाणु पनप सकते हैं। वहीं इस दौरान पत्तागोभी, फूल गोभी और पालक जैसी सब्जियों के सेवन से बचें।

दूरी बनाएं डेयरी प्रोडक्ट से

डेयरी प्रोडक्ट भी कम से कम लें। इनमें बैक्टीरिया पनपने की आशंका रहती है। इस मौसम में कच्चा दूध पीने से बचना चाहिए। नमी के कारण इसमें बैक्टीरिया अधिक पनपते हैं इस कारण पाचनतंत्र प्रभावित हो सकता है। इसके अलावा दूध ले भी रहे हैं तो उबालकर गुनगुना पीएं। खासतौर ऐसे लोग जिन्हें उल्टी-दस्त की समस्या हुई हो, तो वे इसके सेवन से बचें।

सी फूड खाने से बचें

फिश और प्रॉन्स के लिए मानसून का समय ब्रीडिंग का होता है, तो साल के इन दिनों में सी-फूड से पूरी तरह मुंह मोड़ लें। ऐसी चीजों का सेवन करें, जो बात को शांत करते हों, इसलिए पुराना अनाज गेहूं, जौ और साठी चावल, सरसों, राई, खिचड़ी खाएं।

जरूरी टिप्स

सिर्फ घर पर बना खाना ही खाएं। जितना हो सके डाइट मे अनाज शामिल करें, जैसे- बाजरा, मक्का, गेहूं, अलग-अलग दालें लें। ये सभी कई तरह के पोषक तत्वों जैसे- प्रोटीन, आयरन, मिनरल्स से भरपूर होते हैं। इस सीजन में मक्का यानी भुट्टा बहुत मिलता है तो इसका सेवन करें। यह इम्युनिटी को भी बढ़ाता है। मौसमी सब्जियों का सेवन करें। इन्हें अच्छी तरह धोकर और पकाकर ही खाएं। अदरक, लहसुन, प्याज, करेला, शकरकंद, कद्दू जरूर खाएं। नींबू पानी पीएं जिससे रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत हो।

हंसना मना है

डॉक्टर- अब क्या हाल है? मरीज- पहले से ज्यादा खराब है। डॉक्टर- दवाई खाली थी क्या? मरीज- नहीं दवाई की शीशी तो भरी हुई थी। डॉक्टर- मेरा मतलब दवाई लेली थी? मरीज़- आप ने दी तो मैंने ले ली। डॉक्टर- बेवकूफ दवाई पीली थी? मरीज- नहीं दवाई तो लाल थी। डॉक्टर- गधे, दवाई को पीलिया था? मरीज- नहीं जी पीलिया तो मुझे था। डॉक्टर- बेहोश।

लड़की टीटू से- आपका कुत्ता तो टाइगर जैसा दिखता है, क्या खिलाते हैं। टीटू- ये कमीना टाइगर ही है, प्यार व्यार के चक्कर में पड़ गया तो शक्ल कुत्ते जैसी हो गई है।

अंग्रेज सिपाही से- इस आदमी का कान काट दो. चोर- नहीं मेरा कान मत काटो, नहीं तो मैं अंधा हो जाऊंगा। अंग्रेज- बेवकूफ कोई कान काटने से अंधा होता है। चोर- अरे बेवकूफ कान काट देगा तो चश्मा क्या तेरे बाप के कान पर लगाऊंगा।

टीचर- इस मुहावरे को वाक्य में प्रयोग करके बताओ मुंह में पानी आना। छात्र- जैसे ही मैंने नल की टोंटी से मुंह लगाकर नल चालू किया- मेरे मुंह में पानी आ गया। टीचर- गेट आउट।

भोलू की दीवार घड़ी बंद हो गई। जब भोलू ने घड़ी को खोल कर देखा, तो उसमें एक मच्छर मरा हुआ मिला। भोलू बोला कि अब समझ में आया, घड़ी चलेगी कैसे, इसका तो ड्राइवर ही मर गया है।

कहानी | गलत मार्ग का अंजाम

किसी ग्राम में किसान दंपति रहा करते थे। किसान तो वृद्ध था पर उसकी पत्नी युवती थी। चंचल होने के कारण किसान की पत्नी सदा पर-पुरुष की टोह में रहती थी, इस कारण एक क्षण भी घर में नहीं ठहरती थी। एक दिन किसी ठग ने उसको घर से निकलते हुए देख लिया। उसने उसका पीछा किया और जब देखा कि वह एकांत में पहुंच गई तो उसके सम्मुख जाकर उसने कहा, देखो, मेरी पत्नी का देहान्त हो चुका है। मैं तुम पर अनुरक्त हूं। मेरे साथ चलो। वह बोली, यदि ऐसी ही बात है तो मेरे पति के पास बहुत-सा धन है। मैं उसको लेकर आती हूं, जिससे कि हमारा भविष्य सुखमय बीते। उस व्यक्ति ने कहा, ठीक है जाओ। कल प्रात:काल इसी समय इसी स्थान पर मिल जाना। इस प्रकार उस दिन वह किसान की स्त्री अपने घर लौट गई। रात होने पर जब उसका पति सो गया, तो उसने अपने पति का धन समेटा और उसे लेकर प्रात:काल उस स्थान पर जा पहुंची। दोनों वहां से चल दिए। दोनों अपने ग्राम से बहुत दूर निकल आए थे कि तभी मार्ग में एक गहरी नदी आ गई। उस समय उस ठग के मन में विचार आया कि इस औरत को अपने साथ ले जाकर मैं क्या करूंगा। और फिर इसको खोजता हुआ कोई इसके पीछे आ गया तो वैसे भी संकट ही है। अत: किसी प्रकार इससे सारा धन हथियाकर अपना पीछा छुड़ाना चाहिए। यह विचार कर उसने कहा, नदी बड़ी गहरी है। पहले मैं गठरी को उस पार रख आता हूं, फिर तुमको अपनी पीठ पर लादकर उस पार ले चलूंगा। दोनों को एक साथ ले चलना कठिन है। ठीक है, ऐसा ही करो। किसान की स्त्री ने अपनी गठरी उसे पकड़ाई तो ठग बोला, अपने पहने हुए गहने-कपड़े भी दे दो, जिससे नदी में चलने में किसी प्रकार की कठिनाई नहीं होगी। और कपड़े भीगेंगे भी नहीं। उसने वैसा ही किया। उन्हें लेकर ठग नदी के उस पार गया तो फिर लौटकर आया ही नहीं। वह औरत अपने कुकृत्यों के कारण कहीं की नहीं रही। इसलिए कहते हैं कि अपने हित के लिए गलत कर्मों का मार्ग नहीं अपनाना चाहिए।

10 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष
आज कठिन मुद्दों से निपटते समय भाग्य आपके पक्ष में होगा। यदि आप अपने व्यवसाय का विस्तार करना चाहते हैं, तो यह एक नए गठबंधन में प्रवेश करने के लिए यह अच्छा समय है।

वृषभ
कार्यक्षेत्र में कुछ नए बदलाव आ सकते हैं। आज शाम को किसी फ्रेंड की बर्थडे पार्टी में जाने का प्लान बना सकते हैं। स्टूडेंट्स के लिए दिन सामान्य है। पढ़ाई के प्रति आपकी रूचि थोड़ी कम हो सकती है।

मिथुन
आज आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी। सरकार की ओर से लाभ होने की संभावना है। आपका पुराना रोग उभर सकता है। आपके प्रियजनों का प्रेम एवं देखभाल आपके लिये ऊर्जा बढ़ाने वाला साबित होगा।

कर्क
आज आप कोशिश करेंगे, तो अच्छी सफलता भी मिल सकती है। आप आज लगभग किसी को भी अपनी बात से सहमत कर सकते हैं। घर में कुछ मामले अचानक आपके सामने आ सकते हैं।

सिंह
आज शिक्षाविदों, बैंकिंग, तकनीकी गतिविधियों से संबंधित क्षेत्रों से जुड़े जातक उत्कृष्ट प्रदर्शन करेंगे। अटकलों और मनोरंजन पर भारी खर्च से कई लोगों की जेब पर भरी पड़ सकता है।

कन्या
आज जीवनसाथी के साथ रिश्ते बेहतर होंगे। आर्थिक पक्ष आज पहले से मजबूत रहेगा। आपको माता-पिता का सहयोग प्राप्त होगा। सोचे हुए काम पूरे हो जायेंगे। आज आपके मन में नए-नए विचार आयेंगे।

तुला
प्रेम संबंधों के लिए यह समय आपके लिए बहुत ही अच्छा है। बेरोजगारी कुछ व्यक्तियों की दूर हो जाने वाली है। अकस्मात आपको लंबी यात्रा करनी पड़ सकती है। जीवन से जुड़े कुछ बड़े निर्णय ले सकते हैं।

वृश्चिक
ऑफिस में कोई एक्स्ट्रा जिम्मेदारी मिलने की संभावना है। आप नए काम शुरू करने का भी मन बना सकते हैं। दूसरों की बात ध्यान से सुनें। सकारात्मक रहें।

धनु
यह मिश्रित परिणामों की अवधि होगी। इस समय आप थोड़े चिंतित हो सकते हैं। आप अनावश्यक जटिलताओं में फंस सकतें हैं और आपको चल रही परियोजनाओं में बाधाओं का भी सामना करना पड़ सकता है।

मकर
आज कुछ लोग आपसे प्रभावित होंगे। आपकी ऊर्जा बढ़ी हुई रहेगी। धन लाभ के नये रास्ते खुले नजर आयेंगे। किसी कोई उधार दिया पैसा आज वापस मिलने की उम्मीद है।

कुम्भ
आज मित्रों से सहयोग लेना पड़ सकता है। किसी महिला के प्रति आकर्षित हो सकते हैं। मित्र और सहकर्मी आपके प्रयासों में आप का समर्थन करेंगे। आपको अपने कार्य क्षेत्र में असीम विजय प्राप्त होने की संभावना है।

मीन
अच्छे मौके आपको मिल सकते हैं। नई प्लानिंग और अवसरों को लेकर कोई बड़ा फैसला भी आप कर सकते हैं। नौकरी में नया पद या नए काम का ऑफर मिल सकता है। बड़ी रुकावटें दूर हो सकती हैं।

बॉलीवुड | मन की बात

महिलाएं अपनी बॉडी दिखा सकती हैं तो पुरुष ऐसा क्यों नहीं कर सकते : राम गोपाल

रणवीर सिंह का लेटेस्ट फोटोशूट इन दिनों काफी सुर्खियों में हैं। फैंस से लेकर सेलेब्स तक हर कोई इस पर रिएक्ट कर रहा है। अब हाल ही में एक इंटरव्यू में राम गोपाल वर्मा ने इस पर रिएक्ट किया है। डायरेक्टर ने कहा कि हो सकता है रणवीर का फोटोशूट जेंडर इक्वैलिटी का स्टेटमेंट हो। साथ ही उन्होंने कहा कि अगर महिलाएं अपनी बॉडी दिखा सकती हैं, तो पुरुष क्यों नहीं ऐसा कर सकते? राम गोपाल ने कहा मुझे लगता है कि जेंडर इक्वैलिटी की मांग करने का यह उनका तरीका है। अगर महिलाएं अपनी बॉडी दिखा सकती हैं, तो पुरुष ऐसा क्यों नहीं कर सकते? यह दोगली मानसिकता है कि पुरुषों को हमेशा डिफरेंट स्टैंडर्ड से जज किया जाता है। पुरुषों के पास भी महिलाओं के बराबर अधिकार होने चाहिए। फिल्ममेकर ने आगे कहा मुझे लगता है कि फाइनली उस वक्त से आगे निकल आया है और रणवीर जेंडर इक्वैलिटी के स्टेटमेंट हैं। बता दें कि रणवीर ने पेपर मैगजीन के लिए बिना कपड़े पहने फोटोशूट करवाया था, जिसके बाद से ही वो विवादों में घिर गए हैं। रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में रणवीर की को-स्टार आलिया ने भी एक ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान एक्टर को सपोर्ट किया है। उन्होंने कहा मुझे बिल्कुल पसंद नहीं आएगा कि कोई मेरे फेवरेट रणवीर सिंह के बारे में नेगेटिव बोलेगा तो। मैं उनसे बेहद प्यार करती हूं। मुझे लगता है कि वो हम सब के हमेशा पसंदीदा रहने वाले हैं और उन्होंने हमें इतनी अच्छी फिल्में दी हैं, इसलिए हमें सिर्फ उनसे प्यार करना चाहिए। रणवीर ने वो किया जो उन्हें खुशी देता है और लोगों को उनके डिसीजन की इज्जत करनी चाहिए।

दूसरे बच्चे की प्लानिंग कर रहे निक-प्रियंका

प्रियंका चोपड़ा और निक जोनस इस साल की शुरुआत में सरोगेसी के जरिए एक बेबी गर्ल के पेरेंट्स बने हैं। अब खबरें आ रही है कि कपल एक और बच्चे की तैयारी में हैं। प्रियंका और निक दोनों अपनी लाइफ में सिबलिंग्स की इम्पोर्टेंस समझते हैं, इसलिए वो चाहते हैं कि उनकी बेटी मालती मैरी को भी भाई-बहन की कमी महसूस न हो। बॉलीवुड लाइफ की रिपोर्ट के मुताबिक, प्रियंका और निक का मानना है कि भाई-बहन का प्यार बहुत जरूरी होता है, इसलिए वो मालती के लिए यही चाहते हैं। कपल जल्द ही दूसरे बच्चे के बारे में सोचेंगे। दूसरा बेबी भी मालती की तरह सरोगेसी के जरिए ही होगा। सूत्रों के मुताबिक निक अपने बच्चों की उम्र में ज्यादा गैप नहीं चाहते हैं। साथ ही निक चाहते हैं कि उनके और उनके भाइयों केविन जोनस और जो जोनस के बच्चों में ज्यादा एज गैप न हो। रिपोर्ट्स के मुताबिक जोनस ब्रदर्स अपने बच्चों को कजिन्स की तरह नहीं बल्कि सिबलिंग्स की तरह चाहते हैं। साथ ही रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि निक के पेरेंट्स भी उन्हें ज्यादा से ज्यादा बच्चे करने के लिए फोर्स कर रहे हैं। प्रियंका और निक ने हाल ही में अपनी बेटी मालती का 6 मंथ बर्थडे सेलिब्रेट किया है। सेलिब्रेशन की फोटोज और वीडियोज इन दिनों सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं। हालांकि कपल ने अभी तक मालती का चेहरा रिवील नहीं किया है। निक और प्रियंका अपने बच्चे की प्राइवेसी का काफी ध्यान रखते हैं। प्रियंका के वर्कफ्रंट की बात करें तो एक्ट्रेस सिटाडेल में नजर आएंगी। उनके पास फरहान अख्तर की फिल्म जी ले जरा भी है। इस फिल्म में प्रियंका के अलावा आलिया भट्ट और कटरीना कैफ भी लीड रोल में होंगी। इसके अलावा उनके पास फिल्म मैट्रिक्स 4, इट्स ऑल कमिंग बैक टू मी और एंडिंग थिंग्स जैसे कई प्रोजेक्ट्स हैं।

बॉलीवुड | मसाला

रणवीर सिंह के बाद टीवी एक्टर नकुल मेहता का न्यूड फोटोशूट

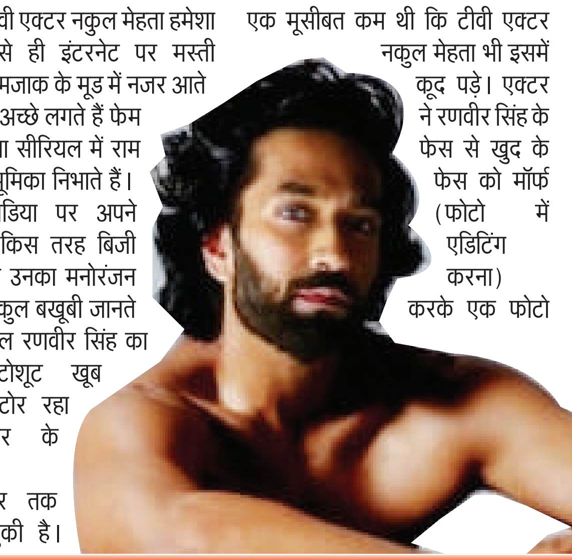

टीवी एक्टर नकुल मेहता हमेशा से ही इंटरनेट पर मस्ती मजाक के मूड में नजर आते रहे हैं। बड़े अच्छे लगते हैं फेम नकुल मेहता सीरियल में राम कपूर की भूमिका निभाते हैं। सोशल मीडिया पर अपने फैन्स को किस तरह बिजी रखना और उनका मनोरंजन करना है नकुल बखूबी जानते हैं। आजकल रणवीर सिंह का न्यूड फोटोशूट खूब सुर्खियां बटोर रहा है। एक्टर के खिलाफ एफआईआर तक दर्ज हो चुकी है। एक मूसीबत कम थी कि टीवी एक्टर नकुल मेहता भी इसमें कूद पड़े। एक्टर ने रणवीर सिंह के फेस से खुद के फेस को मॉर्फ (फोटो में एडिटिंग करना) करके एक फोटो शेयर की है। अपने हेटर्स को मुंहतोड़ जवाब देते हुए नकुल मेहता ने फोटो के कैप्शन में लिखा, हेटर्स कहेंगे कि मैंने रणवीर सिंह का कार्पेट उधार लिया है। स्टोन एडिटर इन चीफ। नकुल मेहता का यह री-क्रिएटेड फोटोशूट देखकर काफी लोग शॉक में आ गए हैं। एक्टर की पत्नी जानकी ने भी नकुल के इस फोटोशूट पर कॉमेंट कर लिखा, तुम्हारे पास कितने सारे बॉक्सर्स हैं, अभी के अभी उनमें से एक पहनो। नकुल मेहता के इंडस्ट्री के दोस्तों को उनका यह फोटोशूट काफी पसंद आया है। करणवीर बोहरा ने लिखा, मुझे लगता है कि तुम्हें यह करवाना चाहिए। दृष्टि धामी, अलेफिया कपाड़िया, रुस्लान मुमताज और हरलीन सेठी ने इस फोटोशूट पर हंसने वाली इमोजी बनाई है। पिछले कुछ दिनों से रणवीर सिंह का यह न्यूड फोटोशूट हेडलाइन्स में बना हुआ है। एक पॉपुलर मैगजीन के लिए एक्टर ने यह शूट कराया था। हालांकि मई-जून के महीने में यह फोटोशूट रिलीज होना था, लेकिन रणवीर सिंह क्योंकि फिल्म प्रमोशन्स और शूटिंग में व्यस्त थे, इसलिए इसे पोस्टपोन किया गया। रणवीर सिंह के इस न्यूड फोटोशूट को कुछ लोगों ने पसंद किया और कुछ ने नहीं। बहुत कम लोग यह बात जानते हैं कि नकुल मेहता और रणवीर सिंह ने स्ट्रगलिंग दिनों में एक साथ एक्टिंग क्लासेस ली थीं।

अजब-गजब | पाताल लोक से जुड़ा है इस शिवलिंग का संबंध

यहां है एक लाख छेद वाला शिवलिंग

सावन का महीना चल रहा है। इस महीने में शिव के भक्त भोलेनाथ की आराधना करते हैं साथ ही उन्हें प्रसन्न करने के लिए शिवलिंग पर जलाभिषेक करते हैं। ऐसे में हम आपको एक ऐसे शिवलिंग के बारे में बताने जा रहे हैं जो दुनियाभर में अपनी तरह का एक मात्र शिवलिंग है। जिसमें लाख लाख छेद है। दरअसल, छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से करीब 120 किलोमीटर दूर काशी के नाम से प्रसिद्ध खरौद नगर में स्थित लक्ष्मणेश्वर महादेव मंदिर अपने आप में अनूठा है। ये मंदिर रामायणकालीन बताया जाता है।

इस मंदिर के गर्भगृह में एक लक्षलिंग (शिवलिंग) है जिसमें एक लाख छिद्र है। इनमें से एक छिद्र को पाताल का रास्ता माना जाता है। छत्तीसगढ़ में सावन मास आते ही शिवालयों में भोले भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ती है, खासकर खरौद नगर के महादेव मंदिर में भक्तों का तांता लगा रहता है। यहां जालभिषेक के लिए भोले के भक्तों की भारी भीड़ उमड़ती है। खरौद प्राचीन छत्तीसगढ़ के पांच ललित केन्द्रों में से एक है। इतिहासकारों के अनुसार इस मंदिर का निर्माण छठी शताब्दी में किया गया था। सूबे के इतिहासविद डॉ. बसुबंधु दीवान बताते हैं कि शिवलिंग में एक लाख छिद्र होने के कारण इसे लक्षलिंग भी कहते हैं और मंदिर लखेश्वर महादेव के नाम से भी जाना जाता है। लिंग का एक छिद्र ऐसा है जिसमें कितना भी पानी डाला जाए वह पूरा सोख लेता है। इसलिए ऐसी मान्यता है कि वह छिद्र पाताल गामी है, उसमें जितना भी पानी डालो वह पाताल में चला जाता है। वहीं लिंग में एक अन्य छिद्र के बारे में मान्यता है कि वह अक्षय छिद्र है। उसमें हमेशा जल भरा होता है। जो कभी सूखता ही नहीं है। इस लक्षलिंग पीछे रामायण की एक रोचक कहानी है। रावण एक ब्राह्मण था। अतः उनका वध करने के बाद भगवान राम को ब्राह्मण हत्या का पाप लगा। इस पाप से मुक्ति पाने के लिए राम और लक्ष्मण ने शिव के जलाभिषेक का प्रण लिया। इसके लिए लक्ष्मण सभी प्रमुख तीर्थ स्थलों से जल एकत्रित करने निकले। इस दौरान गुप्त तीर्थ शिवरीनारायण से जल लेकर अयोध्या के लिए निकलते समय वे रोगग्रस्त हो गए। रोग से छुटकारा पाने के लिए लक्ष्मण ने शिव की आराधना की, इससे प्रसन्न होकर शिव ने लक्ष्मण को दर्शन दिया और लक्षलिंग रूप में विराजमान हो गए। लक्ष्मण ने लक्षलिंग की पूजा की और रोग मुक्त हो गए। जिसके बाद यह मंदिर लक्ष्मणेश्वर महादेव के नाम से प्रसिद्ध हुआ। तब से इसे लोग लक्ष्मणश्वर महादेव के नाम से ही जानते हैं।

नीलाम हुई सालों पुरानी व्हिस्की की दो बोतलें, कीमत जानकर हैरान हो जाएंगे आप!

शराब पीना स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है. ये जानते हुए भी लोग शराब का सेवन करने से खुद को नहीं रोकते। बहुत से लोग तो कीमती से कीमती शराब पीने के शौकीन होते हैं। उन्हें सालों पुरानी व्हिस्की जुटाकर अपने बार का कलेशन बढ़ाना पसंद है। वैसे आप जानते होंगे कि अलग-अलग किस्म की शराब की कीमत एक दूसरे से काफी अलग होती है। वो जितनी पुरानी होती जाए, उनका दाम उतना बढ़ता जाता है। हाल ही में ब्रिटेन में व्हिस्की की नीलामी हुई है जिसमें दो छोटी बोतलों की कीमत लाखों रुपये है। मिरर वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार ब्रिटेन में आयले व्हिस्की ऑक्शन में सिंगल मॉल्ट व्हिस्की की दो छोटी बोतलों की नीलामी हुई जिनकी कुल कीमत इतनी है कि आप एक कार आराम से खरीद सकते हैं। इनमें से एक है जेम्स मैकआर्थर की मॉल्ट मिल जिसे 1990 के दौर में पैक किया गया था मगर उसे 1959 में डिस्टिल किया गया था। इस बोतल को 6 लाख से ज्यादा रुपयों में नीलाम किया गया है। इसके साथ ही दूसरी व्हिस्की स्प्रिंगबैंक की है जिसे 1919 में बनाया गया था जबकि 1969 में उसे कैंपबेलटाउन की स्प्रिंगबैंक डिस्टिलरी में पैक किया गया था। इस बोतल की कीमत तो और भी ज्यादा, यानी 7 लाख रुपये है। मैकआर्थर व्हिस्की की बोतल दुनिया में सिर्फ 4 ही हैं। स्कॉटलैंड के आइले आइलैंड पर मॉल्ट मिल डिस्टिलरी में बनाया गया था। मॉल्ट मिल को साल 1962 में बंद कर दिया गया था। उससे 3 साल पहले ही इसे डिस्टिल किया गया था। इन दोनों छोटी बोतलों की कुल कीमत 13 लाख रुपये है। नीलामी में व्हिस्की जीतने वाले अंजान शख्स ने कहा कि कुछ सालों तक वो इस शराब को नहीं पिएगा क्योंकि वो दूसरों को गर्व से दिखाना चाहता है कि उसके पास इतनी कीमती व्हिस्की है। व्हिस्की ऑक्शन की निदेशक इसाबेल ग्राहम ने बताया कि छोटी बोतलों को उपहार या यादगार तोहफों के रूप में लोगों को भेंट किया जाता है। अगर आपको लग रहा है कि ये सबसे महंगी शराब है तो आप गलत हैं। स्विडिश डीवा वॉडका का दाम 7 करोड़ से भी ज्यादा होता है।

गाजियाबाद में मंकी पॉक्स के दो संदिग्ध मरीज मिले, प्रदेश में अलर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» जांच को सैंपल पुणे भेजा गया, कम मामलों में होता है घातक

» सरकार ने बाहर से आने वाले लोगों की स्क्रीनिंग के दिए आदेश

गाजियाबाद। गाजियाबाद में मंकीपॉक्स के दो संदिग्ध मरीज मिले हैं। एक का सैंपल पुणे भेज दिया है जबकि दूसरा दिल्ली के लोकनायक अस्पताल में भर्ती है। प्रदेश में मंकी पॉक्स को लेकर स्वास्थ्य विभाग ने अलर्ट जारी किया है। इस बीमारी से प्रभावित देशों से आने वाले लोगों की स्क्रीनिंग कराने के निर्देश दिए गए हैं। संदिग्धों के नमूने जांच के लिए नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी (एनआईवी) पुणे भेजे जाएंगे।

केरल के बाद दिल्ली में भी मंकी पॉक्स के मरीज मिल चुके हैं। अब यूपी प्रदेश में भी दो संदिग्धों का सैंपल जांच के लिए एनआईवी पुणे भेजा गया है। इसके बाद से प्रदेश सरकार ने अलर्ट जारी किया है। सरकार की ओर से जारी निर्देश के मुताबिक मंकी पॉक्स के प्रभावित देशों से आने वाले लोगों की 21 दिनों तक मॉनिटरिंग की जाए। लक्षण दिखने पर तत्काल नमूना लेकर जांच को भेजा जाए। गाजियाबाद में मंगलवार को एक अन्य मंकीपॉक्स के एक संदिग्ध मरीज मिलने पर उसका नमूना जांच के लिए पुणे भेजा गया है। 28 वर्षीय युवक अर्थला का रहने वाला है और साहिबाबाद क्षेत्र की निजी कंपनी में कार्य करता है। युवक एमएमजी अस्पताल की ओपीडी में इलाज कराने के लिए आया था। लक्षण मिलने पर ओपीडी में इलाज कर रहे डॉक्टर ने मामले की सूचना सीएमओ और सर्विलांस अधिकारी को दी। इसके बाद युवक का नमूना जांच के लिए पुणे भेजा गया। फिलहाल युवक अपने घर है। वहीं, ट्रांस हिंडन में रहने वाले एक युवक में मंकी पॉक्स के लक्षण मिलने पर उसे दिल्ली में भर्ती कराया गया है। हालांकि स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने इसकी जानकारी होने से इंकार किया है। जिला सर्विलांस अधिकारी आर के गुप्ता ने बताया कि मरीज का सैंपल लेकर जांच को पुणे भेज दिया है। एमएमजी अस्पताल के वरिष्ठ फिजिशियन डॉ. आरपी सिंह का कहना है कि यह बीमारी मंकी पॉक्स नाम के वायरस से होती है। मंकीपॉक्स, ऑर्थोपॉक्स वायरस परिवार का हिस्सा है। इसमें भी चेचक की तरह शरीर पर दाने हो जाते हैं। दरअसल, चेचक को फैलाने वाला वैरियोला वायरस भी ऑर्थोपॉक्स फैमिली का ही हिस्सा है। मंकीपॉक्स के लक्षण चेचक की तरह गंभीर नहीं। यह बहुत कम मामलों में ही घातक होता है।

लक्षण और सावधानी

- ✓ यह रोग मंकी पॉक्स वायरस के कारण होता है जो ऑर्थोपॉक्स वायरस जींस का सदस्य है।
- ✓ व्यक्ति के शरीर पर 2 से 4 हफ्तों तक लक्षण दिखाई दे सकते हैं।
- ✓ उन लोगों से फैलता है जो पहले से इससे पीड़ित हो।
- ✓ व्यक्ति को बुखार, शरीर पर दाने, सूजन हो सकती है।
- ✓ बचाव के लिए जंगली जानवरों से बचकर रहें।
- ✓ मीट पूरी तरह न पका हुआ हो तो उसे न खाएं।

पूर्व मंत्री गायत्री प्रजापति की आठ बीघा जमीन जब्त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» आय से अधिक संपत्ति मामले में ईडी ने की कार्रवाई

लखनऊ। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को गायत्री प्रसाद प्रजापति की आठ बीघा जमीन जब्त कर ली। जेल में बंद पूर्व मंत्री की आय से अधिक संपत्ति के मामले की जांच ईडी कर रहा है।

लेखपाल परिक्षित के साथ पहुंचे ईडी के अधिकारियों ने गाटा संख्या 379, 391, 375, 325, 343, 348, 349, 391 व 367 पर जमीन को जब्त कर बोर्ड लगा दिया है। तहसीलदार राजेश विश्वकर्मा ने बताया कि ईडी की ओर से चिन्हित गाटों का जब तक सीमांकन नहीं हो जाता है जब तक राजस्व टीम की कार्रवाई चलती रहेगी। आज भी सीमांकन होगा। सपा सरकार में मंत्री रहे गायत्री प्रसाद प्रजापति की मोहनलालगंज के मऊ, नगर, इन्द्रजीतखेड़ा समेत कई जगह 160 बीघे से अधिक जमीन है। इन्हें गायत्री ने नौकर, ड्राइवर व कुछ स्थानीय लोगों के नाम दर्ज कराया था। रसूख के दम पर मंत्री ने 6-10 लाख रुपये बीघे में जमीन खरीदी, जिसकी वर्तमान में 60 लाख से एक करोड़ रुपये बीघा तक कीमत बताई जा रही है। मोहनलालगंज में मौजूद गायत्री की सभी जमीन ईडी के रडार पर है, जिनके सीमांकन में एक महीना से अधिक समय लग सकता है। मंत्री रहते हुए गायत्री ने अकूत संपत्ति जमीनों की खरीद-फरोख्त में लगाई। इसका एक हिस्सा मोहनलालगंज में भी खपाया गया।

तृणमूल कांग्रेस के पूर्व राज्य सभा सदस्य के खिलाफ मुकदमा

» सीबीआई ने दर्ज किया फ्राड केस बेटे समेत नौ को बनाया आरोपी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सीबीआई ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के पूर्व राज्य सभा सदस्य केडी सिंह व उनके बेटे करणदीप सिंह सहित कुल नौ लोगों के खिलाफ उनकी चिट फंड कंपनियों में निवेश पर दस गुना अधिक तक रिटर्न देने की पेशकश कर धोखाधड़ी के आरोप में एफआइआर दर्ज कर ली है। सीबीआई ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा, चंडीगढ़, बिहार, पंजाब सहित सात राज्यों में आरोपियों के करीब 12 स्थानों पर छापेमारी कर जरूरी दस्तावेज बरामद किए हैं।

सीबीआई ने लखनऊ में एंटी करप्शन ब्यूरो में उत्तर प्रदेश सरकार के अनुरोध पर केडी सिंह व उनके बेटे की कंपनियों अल्केमिस्ट इंफ्रा रियलिटी लिमिटेड और अल्केमिस्ट टाउनशिप लिमिटेड में करीब 100 करोड़ के निवेश की धोखाधड़ी कर लोगों को ठगने का मामला दर्ज किया है। इस मामले में आजमगढ़ पुलिस 21 सितंबर 2021 को पहले ही एफआइआर दर्ज कर चुकी है। सीबीआई ने आजमगढ़ पुलिस से मामले की जांच अपने हाथ में ले ली है।

उद्धव ठाकरे ने मोदी को शिंदे से सतर्क रहने की दी नसीहत

» कहा, फडणवीस को क्यों नहीं बनाया सीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने संजय राउत को पार्टी के मुखपत्र सामना के लिए एक इंटरव्यू दिया। इसमें उन्होंने कई मुद्दों पर अपना पक्ष रखा है। इस दौरान उन्होंने पीएम मोदी को एकनाथ शिंदे से सतर्क रहने की नसीहत दी।

उन्होंने कहा कि देवेंद्र फडणवीस के साथ भाजपा ने ऐसा बर्ताव क्यों किया, यह मेरी समझ से परे है, पर ठीक है। वह उनकी पार्टी का अंदरूनी मामला है। उनकी पार्टी के पुराने परिचित निष्ठावान, उस वक्त हमारे साथ युति में शामिल अनेक नेता आज भी मेरे संपर्क में हैं। पर वे निष्ठापूर्वक भाजपा के साथ हैं। उनको लेकर मुझे ऐसी गलतफहमी पैदा नहीं करनी है कि उन्हें शिवसेना के साथ आना है। मैं बेवजह ऐसा खोखला दावा करूंगा भी नहीं लेकिन उन्हें मौजूदा हालात पच नहीं रहे हैं। फिर भी वे निष्ठा से भाजपा के काम कर रहे हैं। उद्धव ठाकरे ने कहा, हर पाप का घड़ा भरता है। कल ये महाशय (एकनाथ शिंदे) खुद को नरेंद्र भाई मोदी समझेंगे और प्रधानमंत्री पद पर दावा करेंगे। भाजपाइयों सावधान! उन्होंने कहा, 'महाविकास आघाड़ी का प्रयोग गलत नहीं था। लोगों ने स्वागत ही किया था। वर्षा छोड़कर जाते समय महाराष्ट्र में अनेकों के आंसू बहे। किस मुख्यमंत्री को ऐसा प्यार मिला है? उन आंसुओं का मोल मैं व्यर्थ नहीं जाने दूंगा।' मुख्यमंत्री पद स्वीकार करने की मेरी इच्छा ही नहीं थी। लेकिन उस समय एक जिद के नाते वो किया, मैं स्वेच्छा से मुख्यमंत्री नहीं बना, बल्कि एक जिद के चलते मुख्यमंत्री बना।

रेलवे भर्ती घोटाला

लालू के ओएसडी रहे भोला यादव गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। केंद्रीय जांच एजेंसी ने आज पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव के तत्कालीन ओएसडी भोला यादव को नौकरी के लिए जमीन लेने के मामले में गिरफ्तार किया है। बिहार में पटना और दरभंगा में चार जगहों पर तलाशी जारी है। भोला यादव 2004 से 2009 तक लालू यादव के ओएसडी रहे थे। लालू यादव उस वक्त रेल मंत्री थे और यह घोटाला भी उसी समय का है। भोला यादव को ही इस घोटाले का मास्टरमाइंड माना जा रहा है।

ये मामला 2004-2009 के रेलवे भर्ती घोटाले से जुड़ा है। आरोप है कि लालू यादव जब रेल मंत्री थे तब उस समय नौकरी के बदले जमीन देने के लिए कहा जाता था। इस तरह के अवैध काम को अंजाम देने के लिए लालू के उस समय के ओएसडी भोला यादव को ही जिम्मेदारी दी गई थी। भोला यादव लालू यादव के बेहद करीबी हैं। साल 2015 के बिहार विधानसभा चुनाव में वह बहादुरपुर सीट से विधायक चुने गए थे। 2020 के विधान सभा चुनाव में वे हायाघाट सीट से हार गए थे।

भाजपा विरोधी मोर्चा तैयार कर पाएगा विपक्ष!

» 4पीएम की परिचर्चा में प्रबुद्धजनों ने किया मंथन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। देशभर में भाजपा 2019 की तरह मजबूत नहीं दिख रही। आर्थिक हालात, बेरोजगारी और महंगाई जैसे मुद्दे ने लोगों का गुस्सा बढ़ा रखा है पर मोदी का मुकाबला कौन करेगा कांग्रेस या विपक्ष? भाजपा विरोधी मोर्चा तैयार करने में क्या विपक्ष कामयाब होगा? इस मुद्दे पर वरिष्ठ पत्रकार एनके सिंह, राकेश पाठक, राजेश बादल, विनोद अग्निहोत्री और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा ने एक लंबी परिचर्चा की।

राकेश पाठक ने कहा असफलता को सफलता बताना, महंगाई को अच्छा बताना जब ये सब काम मीडिया करने लगे तो कुछ कहने की बजाय सरकार का जनसंपर्क विभाग कहना ज्यादा बेहतर होगा। भारत के नीति आयोग के आंकलन के आधार पर देखे तो दक्षिण के तेलंगाना के आगे केरल और तमिलनाडु है। विकास के जितने भी पैमाने होते हैं, उसमें तेलंगाना लगातार तरक्की कर रहा है। ऐसे विकास के भी मॉडल हैं उनसे अन्य राज्यों को सीखना चाहिए। राजेश बादल ने कहा कि अभी हाल में मुख्य न्यायाधीश ने मीडिया को लेकर त्वरित टिप्पणी की, इस पर मीडिया को खुद में झांकने की जरूरत है। मोदी का मुकाबला कौन करेगा। कांग्रेस के बिना कोई प्रतिपक्ष हो नहीं सकता। अगर साढ़े 12 करोड़ वोट कांग्रेस के पास हैं तो भाजपा के लिए चुनौती है। क्षेत्रीय दलों की अपनी अलग भूमिका हैं, वे भी अपनी भूमिका निभाएंगे। एनके सिंह ने कहा कि आंकड़े हम दस गुना दे सकते हैं कि मोदी सरकार फेलियोर है। मोदी का गवर्नेंस मॉडल टिपिकल है, जिसमें फसाद होगा, बाहरी जो आउटर होगा, वह डेमोक्रेसी का होगा। विनोद अग्निहोत्री ने कहा कई ऐसे लोग हैं, जो जमीनी ताकत से नेता बने। वाममोर्चे की जो आज दुर्दशा है, वो पहले नहीं थी। पहले के नेताओं ने अहंकार को किनारे रखा। सब साथ चलते थे। आज स्थिति दूसरी है, कांग्रेस ही अपनी साख से जूझ रही है जबकि हर मुद्दे पर राहुल गांधी ने मोर्चा भी खोला, तब भी भाजपा जीत रही है। भरोसा मोदी पर है।

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

राहुल गांधी का केंद्र सरकार पर बड़ा हमला, बोले

राजा को सवालों से लगता है डर तानाशाहों से लड़ना हमें आता है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने महंगाई और बेरोजगारी के मुद्दे को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा है। राहुल गांधी ने पीएम मोदी को तानाशाह बताते हुए कहा कि महंगाई और बेरोजगारी पर सवाल पूछने के अपराध में 57 सांसदों को गिरफ्तार कर लिया गया और 23 सांसदों को निंलबित कर दिया जाता है। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी पर तंज कसते हुए कहा कि राजा को लोकतंत्र के मंदिर में सवाल से डर लगता है, पर तानाशाहों से लड़ना हमें बखूबी आता है।

बता दें कि कल लोकसभा में हंगामे के चलते कांग्रेस के चार सांसदों को पूरे सत्र के लिए निलंबित कर दिया गया था। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी पर हमला बोलते हुए एक ट्वीट किया कि इस ट्वीट में राहुल ने सिलेंडर की कीमत दही और अनाज पर जीएसटी लगाने और सरसों के तेल की कीमतों के दो सौ रुपये किए जाने पर सवाल खड़ा किया। गौरतलब है कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी केंद्र की बीजेपी सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर अक्सर उन पर हमला करते रहते हैं। कांग्रेस समेत विपक्ष के नेता मानसून सत्र में महंगाई और जीएसटी की दरों में बढ़ोत्तरी को लेकर बहस करने की मंजूरी नहीं मिलने के विरोध में संसद से लेकर सड़क तक विरोध प्रदर्शन कर रही है। कल संसद के मानसून सत्र के दौरान सदन के वेल में प्रवेश करने और नारेबाजी के लिए राज्यसभा के 19 सांसदों को निलंबित किया गया था, जिसमें टीएमसी, भाकपा, माकपा, डीएमके के सांसद शामिल थे। वहीं लोकसभा में तख्तियां लेकर महंगाई के विरोध में नारेबाजी करने को लेकर कांग्रेस के चार सांसदों मणिकम टैगोर, ज्योतिमणि, राम्या हरिदास, टीएन प्रतापन को पूरे सत्र के लिए निलंबित कर दिया गया था। इससे पहले कल पुलिस हिरासत में लिए जाने के बाद राहुल गांधी ने कहा कि सरकार महंगाई के मुद्दे पर संसद में बहस नहीं होने दे रही। प्रदर्शन करने पर गिरफ्तार किया जा रहा है। देश को पुलिस स्टेट बना दिया गया है।

मेघालय भाजपा का प्रदेश उपाध्यक्ष यूपी से गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» फार्म हाउस में सेक्स रैकेट चलाने का आरोप; हापुड़ में दिल्ली जाते समय दबोचा

लखनऊ। मेघालय में भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष बर्नार्ड एन मारक को यूपी के हापुड़ से गिरफ्तार किया गया है। बर्नार्ड पर पश्चिम गारो हिल्स जिले के तुरा में अपने फार्महाउस पर सेक्स रैकेट चलाने का आरोप है। पुलिस ने उनके खिलाफ लुक आउट नोटिस जारी किया था। वह फार्म हाउस पर पुलिस छापेमारी के बाद से फरार था।

मेघालय से इनपुट मिलने के बाद पुलिस ने हापुड़ में बर्नार्ड को दिल्ली जाते समय टोल प्लाजा से पकड़ा गया। हापुड़ के एसपी दीपक भूकर ने बताया कि पुलिस दिल्ली-लखनऊ हाइवे पर चेकिंग की रही थी। गढ़ से दिल्ली की ओर जा रही एक गाड़ी से बर्नार्ड को गिरफ्तार किया गया। मेघालय पुलिस को गिरफ्तारी की सूचना दी गई है। मेघालय पुलिस आ रही है। ट्रांजिट कोर्ट रिमांड के आधार पर बर्नार्ड को मेघालय पुलिस के सुपुर्द कर दिया जाएगा। बता दें कि 23 जुलाई यानी शनिवार को पुलिस ने मारक के रिसॉर्ट में छापेमारी कर इस रैकेट का पर्दाफाश किया था। पुलिस ने इस रिसॉर्ट से छह बच्चों को भी अपने कब्जे में लिया था। इस मामले में 73 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है।

लखनऊ में एक ही परिवार के तीन लोगों ने खाया जहर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» पिता-पुत्री सहित मां की मौत; पुलिस कर रही जांच

लखनऊ। जानकीपुरम के सल्तानपुर गांव में बुधवार दोपहर हुई हृदयविदारक घटना में दंपति ने 15 वर्षीय पुत्री समेत जहरीला पदार्थ खा लिया। हालात गंभीर होने पर तीनों को ट्रामा ले जाया गया। जहां डाक्टरों ने पिता-पुत्री को मृत घोषित कर दिया। जबकि महिला को भर्ती कर लिया, मगर आज उसने भी दम तोड़ दिया।

पुलिस के अनुसार जानकीपुरम के सुल्तानपुर गांव में रहने वाले 45 वर्षीय शैलेंद्र कुमार ट्यूबवेल विभाग में जेई थे। बुधवार दोपहर शैलेंद्र उनकी 40 वर्षीय पत्नी गीता और बेटी प्राची ने संदिग्ध हालात में जहरीला पदार्थ खा लिया। हालत गंभीर होने पर तीनों को ट्रामा सेंटर ले जाया गया। डाक्टरों ने शैलेंद्र और उनकी बेटी को मृत घोषित कर दिया। जबकि गीता की हालत नाजुक थी, मगर वो भी नहीं बची। सूचना पर इंस्पेक्टर जानकीपुरम, एसीपी अलीगंज समेत आलाधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है।

भाजपा नेता के बेटे फ्री में देखना चाहते हैं मूवी!

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» पूर्व बीजेपी जिलाध्यक्ष के बेटे ने की गाली गलौज वीडियो हुआ वायरल

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की नसीहत के बावजूद बीजेपी नेता व कार्यकर्ता पार्टी की फजीहत कराने से बाज नहीं आ रहे हैं। ऐसी तमाम घटनाएं अब तक सामने आ चुकी हैं। ताजा मामला झांसी जिले के नवाबाद थाना क्षेत्र से जुड़ा हुआ है, जहां पर बीजेपी के पूर्व जिला अध्यक्ष के बेटे ने मुफ्त में फिल्म दिखाने से मना करने पर सिनेमाघर के मैनेजर को जमकर धमकाया और गाली गलौज की, जिसका वीडियो वायरल हो गया है।

मौके पर पुलिस पहुंची लेकिन सत्ता पक्ष से जुड़ा होने के चलते जिले के प्रभावशाली नेता पुत्र पर कोई कार्रवाई नहीं की गई और मामले को रफा-दफा करा वापस लौट गई। जबकि वायरल वीडियो में भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष संजय दुबे का दबंग बेटा है। जिसने फ्री में मूवी नहीं दिखाने पर खिलौना टाकीज के मैनेजर के कार्यालय में घुसकर जमकर दबंगई की। गाली गलौज करते हुए मैनेजर को जमकर धमकाया। इसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। मामले ने तूल पकड़ा तो अब पुलिस तहरीर मिलने पर कार्रवाई की बात कह रही हैं। फिलहाल पुलिस इस पूरे मामले में चुप है।

यूपी डीजीपी का बड़ा फरमान, बोले

लोकल थाने पर भी कर सकेंगे पांच लाख तक की साइबर ठगी की शिकायत

» अब तक एक लाख तक की ठगी के ही दर्ज होते थे केस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में साइबर ठगी के बढ़ते मामलों को देखते हुए डीजीपी ने लोगों की सहूलियत के मद्देनजर नया आदेश दिया है। कार्यवाहक पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) देवेंद्र सिंह चौहान के नए आदेश के मुताबिक अब पांच लाख रुपये तक की साइबर ठगी की एफआईआर पीड़ित स्थानीय थाने में दर्ज करा सकेगा।

अब तक स्थानीय थाने में एक लाख रुपये तक की साइबर ठगी की रिपोर्ट ही दर्ज होती थी। एक लाख से बड़ी रकम के लिए लोगों को साइबर थाने जाना पड़ता था। वहीं अब पांच लाख रुपये या इससे अधिक की साइबर ठगी के मामले के रिपोर्ट साइबर थाने में दर्ज करानी होगी। यूपी के सभी 18 रेंज में खुले साइबर थानों पर यह नियम लागू कर दिया गया है। पुलिस ने बताया कि साइबर थानों में मुकदमा दर्ज कराने के लिए दूर-दूर से फरियादियों को प्रयागराज आना पड़ता था। अब यह समस्या नहीं होगी। आईजी राकेश सिंह ने बताया कि सभी थानों में साइबर हेल्प डेस्क खोली गई है, उन्हें प्रशिक्षण दिया जा चुका है। साइबर ठगी के शिकार फरियादियों की स्थानीय थाने में एफआईआर दर्ज की जाएगी।

संसाधनों की कमी थी साइबर थानों में

सभी आईजी कार्यालय में सितंबर 2020 में साइबर थाने खोले गए थे। उस वक्त शर्त थी कि रेंज में होने वाले साइबर अपराध यहीं दर्ज होंगे लेकिन ठगी की राशि एक लाख रुपये से अधिक होनी चाहिए। साइबर अपराध के बढ़ते मामलों को देखते हुए अब इसमें बड़ा बदलाव किया गया है। दरअसल साइबर थानों के पास संसाधनों की कमी है।

अलीगढ़ में दो साल में रेंज थाने में 42 मुकदमे हुए दर्ज

रेंज साइबर क्राइम थाना अलीगढ़ में दो साल में 42 मुकदमे दर्ज हुए हैं। इनमें एटा के दो, हाथरस के दो, कासगंज का एक और बाकी अलीगढ़ जिले के शामिल हैं। जिन मुकदमों में पांच लाख से अधिक की ठगी हुई, ऐसे दस मुकदमे अभी तक दर्ज हुए हैं। बाकी 32 मुकदमे पांच लाख से कम ठगी वाले हैं। इन सभी की विवेचना जारी है। पुलिस ने इनमें 45 मुल्जिमों को पकड़ा है। रेंज साइबर थाना इंस्पेक्टर सुरेंद्र कुमार ने बताया कि कुल 42 मुकदमों में 2 करोड़, 73 लाख, 63 हजार रुपये की ठगी हुई है। इसमें से 7.57 लाख रुपये वापस कराए गए हैं। 31.88 लाख रुपये की धनराशि बैंक द्वारा होल्ड कराई गई है। वहीं, शिकायतों के आधार पर 1.75 करोड़ से अधिक की ठगी में 25 लाख 37 हजार रुपये की राशि वापस कराई गई है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक बबिता चतुर्वेदी के लिए 4पीएम आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। प्रधान संपादक- अर्चना दयाल, संपादक - संजय शर्मा, स्थानीय संपादक - सूर्यकांत त्रिपाठी*, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।